विषयानुक्रम

प्रथम अध्याय : **[०८-५९]**

श्री अमृतलाल नागर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

प्रस्तावना :

१.१ नागरों का मूल

१.२ जीवन परिचय

(१.) जन्म

(२.) माता-पिता

(३.) शिक्षा-दीक्षा और परिवार

(४.) जीवन-संघर्ष

१.३ अभिरुचि एवं व्यक्तित्व-विश्लेषण

१.४ साहित्य-सृजन के प्रेरणा-स्रोत

१.५ साहित्य-रचना के विविध आयाम

(१.) उपन्यास-साहित्य

(२.) कहानी-साहित्य

(३.) बालसाहित्य

(४.) नाट्य-साहित्य

(५.) संस्मरण-साहित्य

(६.) जीवनी

(७.) आत्मकथा

(८.) हास्य-व्यंग्य कृतियाँ

(९.) अनुदित साहित्य

(१०.) पत्र-पत्रिकाएँ

१.६ फिल्मी दुनिया से संबंध

१.७ शौक एवं अन्य रुचियाँ

१.८ पुरस्कार एवं सम्मान

१.९ स्वर्गवास

१.१० आधार ग्रन्थ

१.११ सन्दर्भ

द्वितीय अध्याय : **[६०-९७]**

श्री गंगाप्रसाद मिश्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

प्रस्तावना :

१.१ जीवन परिचय

(१.) जन्म

(२.) माता-पिता

(३.) शिक्षा-दीक्षा

(४.) परिवार

(५.) जीवन संघर्ष

१.२ अभिरुचि एवं व्यक्तित्व विश्लेषण

१.३ साहित्य रचना के विविध आयाम

(१.) उपन्यास साहित्य

(१.) विराग (१९४१)

(२.) संघर्षों के बीच (१९४४)

(३.) महिमा (१९४५)

(४.) तस्वीरें और साये (१९६४)

(५.) सोनारवाणी के पार (१९६८)

(६.) जहर चाँद का (१९७६)

(७.) मुस्कान है कहाँ (१९८२)

(८.) रांग साइड (१९९२)

(२.) कहानी साहित्य

(१.) सरोद की गत (१९४१)

(२.) आदर्श और यथार्थ (१९४४)

(३.) नया खून

(४.) नई राहें (१९४४)

(५.) काँटो का ताज (१९५०)

(६.) बाँहों के घेरे गर्दन की मजबूरियाँ (१९६२)

(७.) दूधपूत

(८.)मेरी प्रिय कहानियाँ

(३.) बाल साहित्य

(४.) रेडियो नाट्य साहित्य

(५.) यात्रा साहित्य

(६.) समीक्षा

(७.) लेख

१.४ साहित्य सृजन के प्रेरणा स्रोत

१.५ स्वर्गवास

१.६ आधार ग्रन्थ

१.७ सन्दर्भ

तृतीय अध्याय : **[९८-१९४]**

अमृतलाल नागर के कथा-साहित्य में प्रतिबिंबित लखनऊ का जन-जीवन

१.१ प्रस्तावना

१.२ अमृतलाल नागर के कथा-साहित्य में लखनऊ का सामाजिक-जीवन

(१.) नवाबों के समय में लखनऊ का सामाजिक-जनजीवन

(२.) मध्यवर्ग का उदय और राष्ट्रीय-चेतना का विकास

(३.) स्वदेशी-आंदोलन

(४.) स्वातंत्र्योत्तर लखनऊ का सामाजिक-जनजीवन

१.३ अमृतलाल नागर के कथा-साहित्य में लखनऊ का सांस्कृतिक-जीवन

(१.) धार्मिक-जनजीवन

(२.) पर्व, त्योहार और मेले

(३.) लखनऊ के लोकगीत

(४.) रीति-रिवाज और प्रथा-परंपरा

(५.) वेशभूषा

(६.) खान-पान और मनोरंजन

(७.) अभिवादन

(८.) बोलचाल

(९.) हिन्दी-उर्दू विवाद

१.४ अमृतलाल नागर के कथा-साहित्य में लखनऊ के चौक का जीवन

(१.) चौक की सामाजिक-संरचना

(२.) चौक का सामाजिक-जनजीवन

१.५ निष्कर्ष

१.६ सन्दर्भ

चतुर्थ अध्याय : **[१९५-२९४]**

गंगाप्रसाद मिश्र के कथा-साहित्य में प्रतिबिंबित लखनऊ का जन-जीवन

१.१ प्रस्तावना

१.२ गंगाप्रसाद मिश्र के कथा-साहित्य में लखनऊ का सामाजिक जन-जीवन

(१.) ग्रामीण समाज

(२.) नगरीय समाज

(३.) मध्यवर्गीय समाज

१.३ गंगाप्रसाद मिश्र के कथा-साहित्य में लखनऊ का सांस्कृतिक जन-जीवन

(१.) लोक संस्कृति

(२.) पूँजीवादी संस्कृति

(३.) सामाजिक संस्कृति

१.४ निष्कर्ष

१.५ सन्दर्भ

पंचम अध्याय : **[२९५-३४८]**

अमृतलाल नागर और गंगाप्रसाद मिश्र के कथा-साहित्य में समसामयिक लखनऊ

१.१ कथा-साहित्य में सम-सामयिकता और प्रासंगिकता

१.२ अमृतलाल नागर के कथा-साहित्य में सम-सामयिक लखनऊ व उसकी प्रासंगिकता

१.३ नागरजी के उपन्यासों में सम-सामयिक लखनऊ व उसकी प्रासंगिकता

१.४ अमृतलाल नागर की कहानियों में सम-सामयिक लखनऊ और उसकी प्रासंगिकता

१.५ गंगाप्रसाद मिश्र के कथा साहित में सम-सामाजिक लखनऊ व उसकी प्रासंगिकता

१.६ गंगाप्रसाद मिश्र की कहानियों में सम-सामयिक लखनऊ और उसकी प्रासंगिकता

१.७ गंगाप्रसाद मिश्र की कहानियों में लखनऊ

१.८ निष्कर्ष

१.९ संदर्भ

षष्ठ अध्याय **[३४९-३७७]**

अमृतलाल नागर और गंगाप्रसाद मिश्र के कथा साहित्य में भाषा-शिल्प

भूमिका :

१.१ शिल्प सौष्ठव

१.२ अमृतलाल नागर के कथा साहित्य में भाषा-शिल्प

१.३ अमृतलाल नागर के उपन्यासों में भाषा-शिल्प

- ★ **महाकाल (१९७० में 'भूख' शीर्षक से प्रकाशित)**
- ★ **सेठ बाँकेमल**
- ★ **बूँद और समुद्र**
- ★ **शतरंज के मोहरे**
- ★ **बिखरे तिनके**

१.४ नागरजी के बालकथा साहित्य में भाषा-शिल्प

१.५ गंगाप्रसाद मिश्र के कथा-साहित्य में भाषा-शिल्प

१.६ गंगाप्रसाद मिश्र के उपन्यासों में भाषा-शिल्प

- ★ **विराग**
- ★ **संघर्षों के बीच**
- ★ **तस्वीरें और साये**
- ★ **सोनारवाणी के पार**

१.७ गंगाप्रसाद मिश्र के बालसाहित्य में भाषा-शिल्प

१.८ नागरजी और गंगाप्रसाद मिश्र का भाषा-शिल्प

१.९ अमृतलाल नागर और गंगाप्रसाद मिश्र के कथा-लेखन में नगरीय-आंचलि**कता**

१.१० निष्कर्ष

१.११ संदर्भ ग्रंथ

उपसंहार : **[३७८-३७९]**

संदर्भ ग्रंथ सूची : **[३८०-३८७]**

जीवनवृत्त व रचना संसार : **[३८८-४००]**